Regarding filtration of wastes from Union Carbide Factory, Bhopal

**श्री आलोक शर्मा (भोपाल) :** माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन का ध्यान भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड कारखाने में हुई देश और दुनिया की भीषण त्रासदी की ओर आकर्षित करना चाहता हूं । ये भोपाल ही नहीं, देश का महत्वपूर्ण मुद्दा है । आपने मुझे जीरो ऑवर में लोक महत्व के मुद्दे पर बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं भोपाल लोक सभा की 35 लाख जनता की ओर से आपका दिल की गहराइयों से धन्यवाद करता हूं ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, 02 दिसम्बर, 1984 की दरमियानी रात का एक बज रहा था । हमारा पूरा भोपाल गहरी नींद में सो रहा था । अचानक लोगों को बिस्तर में ही खांसी होने लगी ।

**माननीय अध्यक्ष :** वह विषय तो है, लेकिन आप अपनी मांग रख दीजिए ।

**श्री आलोक शर्मा:** माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि इसके अंदर हमारे हजारों-लाखों लोग मौत के आगोश में सोये हुए थे । उस मौत के मंजर को मैंने भी अपनी आंखों से देखा है । मैं सदन के सदस्य के रूप में आपके सामने यह बात रख रहा हूं कि इस भीषण त्रासदी को आज लगभग 40 वर्ष हो गए हैं, लेकिन आज भी वहां मौजूदा कचरे का निष्पादन नहीं हो पाया है । आज भी वहां कीटनाशक दवाइयां बनाने वाली बहुराष्ट्रीय अमेरिकन कंपनी यूनियन कार्बाइड कारखाने का 337 मीट्रिक ट्रन कचरा निष्पादन के लिए बचा है ।

महोदय, मैं देश के यशस्वी प्रधान मंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी, केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री आदरणीय भूपेंद्र यादव जी को इस बात के लिए बधाई देता हूं, जिनकी अध्यक्षता में गठित ओवरसाइट कमेटी में 126 करोड़ रुपये की धनराशि यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन के लिए मार्च, 2023 में उपलब्ध करवा दी गई ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, एक साल से ज्यादा समय बीत गया, लेकिन कचरे का निष्पादन आज तक नहीं हो पाया है । भोपाल की जनता ने मुझे सांसद के रूप में चुना है । ? (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** एडवोकेट प्रिया सरोज जी ।

आप क्या कहना चाहते हैं, वह बताइए ।

**श्री आलोक शर्मा:** महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि माननीय मंत्री जी को निर्देश दें कि जब 126 करोड़ रुपये की धनराशि कचरे के निष्पादन के लिए उपलब्ध करवा दी गयी है तो वहां के कचरे का शीघ्र-अतिशीघ्र निष्पादन होना चाहिए ।